हिमाचल प्रदेश की महत्वपूर्ण वृक्ष प्रजातियों के लिए प्लस ट्री चयन, एसपीए (SPA) विकास, बीज एवं नर्सरी तकनीकों के माध्यम से उत्पादकता वृद्धि पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की रिपोर्ट

दिनांक: 28 फरवरी 2026

स्थान: वन प्रशिक्षण संस्थान, चायल

"हिमाचल प्रदेश की महत्वपूर्ण वृक्ष प्रजातियों के लिए प्लस ट्री चयन, एसपीए (SPA) विकास, बीज एवं नर्सरी तकनीकों के माध्यम से उत्पादकता वृद्धि" विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 28 फरवरी 2026 को वन प्रशिक्षण संस्थान, चायल में किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन भा॰वा॰अ॰शि॰प॰–हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान (HFRI), शिमला द्वारा हिमाचल प्रदेश एकीकृत विकास परियोजना (HP-IDP), सोलन के सहयोग से किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 39 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें हिमाचल प्रदेश वन विभाग के फील्ड स्तर के अधिकारी एवं कर्मचारी, HP-IDP के जिला परियोजना अधिकारी तथा प्रगतिशील किसान शामिल थे। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री उत्पादन, प्लस ट्री चयन, बीज उत्पादन क्षेत्र (SPA) विकास, वैज्ञानिक बीज प्रबंधन तथा महत्वपूर्ण रोपण प्रजातियों के लिए आधुनिक नर्सरी प्रबंधन तकनीकों संबंधी तकनीकी ज्ञान एवं फील्ड स्तर की क्षमता को सुदृढ़ करना था।

उद्घाटन सत्र

कार्यक्रम का शुभारंभ उद्घाटन सत्र के साथ हुआ। डॉ. मोहम्मद इब्राहिम, वैज्ञानिक-ई एवं प्रशिक्षण समन्वयक ने मुख्य अतिथि डॉ. संदीप शर्मा, निदेशक-लिंक एवं समूह समन्वयक (अनुसंधान), HFRI, शिमला; विशिष्ट अतिथि श्रीमती नीना देवी, संयुक्त निदेशक, वन प्रशिक्षण संस्थान, चायल; श्री मोहित दत्ता, उपनिदेशक, वन प्रशिक्षण संस्थान, चायल; तथा श्री संजीव कुमार, जिला परियोजना अधिकारी, IDP, सोलन का स्वागत किया।

डॉ. मोहम्मद इब्राहिम ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए इसके उद्देश्यों, प्रमुख विषयों एवं अपेक्षित परिणामों की जानकारी दी। अपने संबोधन में डॉ. संदीप शर्मा ने रोपण वानिकी में वैज्ञानिक विधियों को अपनाने, गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री के उपयोग तथा नर्सरी तकनीकों को सुदृढ़ करने की आवश्यकता पर बल दिया, जिससे पौधरोपण की उत्पादकता एवं स्थायित्व में वृद्धि सुनिश्चित की जा सके।

तकनीकी सत्र

तकनीकी सत्रों को रोपण उत्पादकता एवं नर्सरी प्रबंधन से संबंधित प्रमुख विषयों के आधार पर आयोजित किया गया।

प्रथम तकनीकी सत्र में डॉ. संदीप शर्मा, वैज्ञानिक-जी एवं समूह समन्वयक (अनुसंधान) द्वारा "गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री (QPM) का महत्व एवं QPM उत्पादन हेतु आधुनिक नर्सरी तकनीकें" विषय पर व्याख्यान दिया गया। इस सत्र में उच्च आनुवंशिक गुणवत्ता वाली पौध सामग्री तथा मानकीकृत नर्सरी प्रथाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला गया।

इसके पश्चात श्री संजीव ठाकुर, जिला परियोजना अधिकारी द्वारा अनुभव साझा सत्र आयोजित किया गया, जिसमें उन्होंने एकीकृत विकास परियोजना के अंतर्गत क्षेत्रीय स्तर पर प्राप्त अनुभवों एवं क्रियान्वयन संबंधी महत्वपूर्ण पहलुओं को साझा किया।

डॉ. अश्विनी तपवाल, वैज्ञानिक-एफ ने "माइकोराइजा एवं जैव नियंत्रण एजेंट्स के माध्यम से वन नर्सरियों का पर्यावरण अनुकूल प्रबंधन" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया, जिसमें नर्सरी स्वास्थ्य प्रबंधन के लिए जैविक एवं सतत उपायों पर विशेष जोर दिया गया।

अपराह्न सत्र में डॉ. मोहम्मद इब्राहिम ने "रोपण सामग्री सुधार हेतु बीज उत्पादन क्षेत्र (SPA) विकास एवं प्लस ट्री चयन" विषय पर व्याख्यान दिया तथा श्रेष्ठ वृक्षों की पहचान एवं SPA स्थापना की वैज्ञानिक प्रक्रियाओं को विस्तार से समझाया।

अंतिम तकनीकी सत्र में श्री. पी. एस. नेगी, वैज्ञानिक-ई द्वारा वानिकी प्रजातियों के बीज संग्रहण, प्रसंस्करण, भंडारण तथा नर्सरी तकनीकों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इस सत्र में अंकुरण क्षमता एवं पौध गुणवत्ता सुधार हेतु मानकीकृत बीज प्रबंधन प्रक्रियाओं पर विशेष बल दिया गया।

समापन सत्र

कार्यक्रम का समापन (Valedictory) सत्र के साथ हुआ, जिसमें प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए तथा प्रतिभागियों से फीडबैक एवं चर्चा की गई। प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की उपयोगिता एवं व्यावहारिक महत्व की सराहना करते हुए इसे अत्यंत लाभकारी बताया। अंत में डॉ. मोहम्मद इब्राहिम, वैज्ञानिक-ई एवं प्रशिक्षण समन्वयक द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। उन्होंने मुख्य अतिथि, संसाधन व्यक्तियों, प्रतिभागियों तथा आयोजन से जुड़े सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम की कुछ झलकियाँ

वन अधिकारियों और किसानों को दिया प्रशिक्षण

चायल में प्रशिक्षण में मौजूद वन कर्मी और किसान। संवाद

चायल(सोलन)। हिमाचल प्रदेश वन प्रशिक्षण संस्थान चायल में एचएफआरआई शिमला ने एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें वन विभाग के वन परिक्षेत्र अधिकारियों, उप वनराजिको, वन रक्षकों और क्षेत्र के प्रगतिशील 40 किसानों ने भाग लिया। इस दौरान रिसोर्स पर्सन डॉ संदीप शर्मा, डॉ. अश्वनी तपवाल, डॉ. मोहद इब्राहिम, डॉ. पीएस नेगी ने प्रतिभागियों को वन्य पौध प्रजातियों के बीज संग्रहण, वैज्ञानिक प्रबंधन और नर्सरी तकनीकों में विभाग के फ्रंट लाइन के कर्मचारियों की तकनीकी क्षमता को मजबूत करने का प्रशिक्षण दिया गया। डॉ. शालिनी चौहान विषय विशेषज्ञ ने बताया कि यह कार्यक्रम एचपीआईडीपी व एचएफआरआई के एक प्रोजेक्ट के तहत है। इसमें हिमाचल प्रदेश की कुछ महत्वपूर्ण बहुउद्देश्य वन्य प्रजातियों जिनमें बान, खैर, भोजपत्र, मोरस खिरक व कचनार के बीजों के उत्पादन क्षेत्र और कैंडिडेट प्लस ट्री का उपयोग वन सुधार में कैसे किया जाए के अंतर्गत करवाई जा रही है। संवाद

वन प्रशिक्षण संस्थान चायल में वन कर्मियों व किसानों के लिए प्रशिक्षण आयोजित

शिविर में उपस्थित अधिकार व कर्मचारी व किसान।

सबेरा न्यूज/आरपी ठाकुर

कंडाघाट,28 फरवरी : हिमाचल प्रदेश वन प्रशिक्षण संस्थान, चायल में शनिवार को हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा हिमाचल प्रदेश एकीकृत विकास परियोजना के सौजन्य से एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में वन विभाग के वन परिक्षेत्र अधिकारी, उप वन रक्षक, वन रक्षक तथा क्षेत्र के प्रगतिशील किसानों सहित कुल 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों को वन्य पौध प्रजातियों के बीज संग्रहण, वैज्ञानिक प्रबंधन तथा नर्सरी तकनीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य वन विभाग के अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों की तकनीकी दक्षता को सुदृढ़ करना रहा। विषय विशेषज्ञ डा. शालिनी चौहान ने बताया कि यह कार्यक्रम हिमाचल प्रदेश एकीकृत विकास परियोजना तथा हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान की संयुक्त परियोजना के अंतर्गत आयोजित किया गया है। इस परियोजना में हिमाचल प्रदेश की महत्वपूर्ण बहुउद्देशीय वन्य प्रजातियों जैसे बान, खैर, भोजपत्र, मोरस खिरक और कचनार के बीज उत्पादन क्षेत्रों और श्रेष्ठ चयनित वृक्षों के उपयोग द्वारा वन सुधार की प्रक्रिया पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इस अवसर पर एकीकृत विकास परियोजना सोलन के वनमंडलाधिकारी संजीव ठाकुर, शिमला के वनमंडलाधिकारी अनिल सैनी, वन प्रशिक्षण संस्थान चायल की निदेशिका नीना देवी, मोहित दत्ता सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मीडिया कवरेज